"प्ररूप 26"

(नियम 4क देखिए)



24 बेगूसराय लोकसभा ........ निर्वाचन क्षेत्र से

(निर्वाचन क्षेत्र का नाम)

लोकसभा ........ (सदन का नाम) के लिए निर्वाचन व लिए

रिटर्निंग आफिसर के समक्ष अभ्यर्थी द्वारा प्रस्तुत किया जाने वाला शपथपत्र

## भाग -क

मैं राजेन्द्र प्रसाद सिंह **पुत्र/पुत्री/पत्नी- स्व० रामेश्वर प्रसाद सिंह आयु 68 वर्ष, जो साकि- नया नगर दुलारपुर, पो०- नया नगर, भाया - तेघड़ा, थाना - तेघड़ा, जिला - बेगूसराय (डाक का पूरा पता लिखें) का/की निवासी हूँ, और उपरोक्त निर्वाचन से अभ्यर्थी हूँ, सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञा करता हूँ/करती हूँ, शपथ पर निम्नलिखित कथन करता हूँ/ करती हूँ :-

(1) मैं भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी ........ (**राजनैतिक दल का नाम) द्वारा खड़ा किया गया अभ्यर्थी/**एक स्वतंत्र अभ्यर्थी के रूप में लड़ रहा हूँ।

(**जो लागू न हो उसे काट दें)

(2) मेरा नाम 142 तेघड़ा विधान सभा (बिहार राज्य) (निर्वाचन क्षेत्र और राज्य का नाम) में भाग सं० 6 के क्रम सं. 1074 पर प्रविष्ट है।

(3) मेरा संपर्क टेलीफोन नं. 9431211717 है/हैं और मेरा ई-मेल आईडी (यदि कोई हो तो) शून्य है।

NOTARY
BEGUSARAI (BIHAR)
5-4-14

(4) स्थाई लेखा संख्यांक (पैन) के ब्यौरे और आय–कर विवरणी फाइल करने की प्रास्थिति :

| क्रम सं. | नाम | पैन | वित्तीय वर्ष जिसके लिए अंतिम आयकर विवरणी फाइल की गई है। | आयकर विवरणी में उपदर्शित कुल आय (रूपए में) |
|---|---|---|---|---|
| 1 | स्वयं | शून्य | शून्य | शून्य |
| 2 | पति या पत्नी | शून्य | शून्य | शून्य |
| 3 | आश्रित–1 | शून्य | शून्य | शून्य |
| 4 | आश्रित–2 | शून्य | शून्य | शून्य |
| 5 | आश्रित–3 | शून्य | शून्य | शून्य |

(5) मैं ऐसे किसी लंबित मामले में दो वर्ष या अधिक के कारावास से दंडनीय किसी अपराध (अपराधों) का/की अभियुक्त नहीं हूं जिसमें सक्षम अधिकारिता वाले न्यायालय द्वारा आरोप विरचित किया गया है/ किए गए हैं।

यदि अभ्यर्थी ऐसे किसी अपराध (अपराधों) का/की अभियुक्त है तो वह निम्नलिखित जानकारी प्रस्तुत करेगा/करेगी :–

(i) निम्नलिखित मामला (मामले) मेरे विरूद्ध लंबित है जिसमें दो वर्ष या अधिक के कारावास से दंडनीय किसी अपराध के लिए न्यायालय द्वारा आरोप विरचित किया गया है/ किए गए हैं।

| | | |
|---|---|---|
| (क) | मामला/प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या/संख्याओं सहित संबंधित पुलिस थाना/जिला/राज्य के पूर्ण ब्यौरे | 5 मामले लंबित हैं।<br>① बीहट (थाना कांड सं० - 383/92 ⑤ लोहियानगर (पटना) थाना कांड सं० - 30/13<br>② नगर थाना कांड सं० - 119/09<br>③ कटोनी थाना कांड सं० - 91/09<br>④ मटिहानी थाना कांड सं० - 24/09 |
| (ख) | संबंधित अधिनियम (अधिनियमों) की धारा (धाराएं) और अपराध (अपराधों) का संक्षिप्त विवरण जिसके (जिनके) लिए आरोपित किया गया है | ① 144, 447, भा०द०वि०<br>② 171 (F) भा०द०वि०, 127(A) R.P.Act, 3- Bihar Prevention of Defacement Act<br>③ 171(F) I.P.C.<br>④ 171(F) I.P.C., 127(A) R.P.Act, 3- Bihar Prevention of Defacement of Property Act |
| (ग) | न्यायालय का नाम, मामला संख्या और संज्ञान लेने के आदेश की तारीख | ① संज्ञान - 10/1/94 - मुख्य न्याय दण्डा०<br>② संज्ञान - 22/5/09 - मुख्य न्याय दण्डा०<br>③ संज्ञान - 15/10/09 - मुख्य न्याय दण्डा०<br>④ संज्ञान - - मुख्य न्याय दण्डा०<br>⑤ संज्ञान - - मुख्य न्याय दण्डा० |
| (घ) | न्यायालय, जिसके (जिनके) द्वारा आरोप (आरोपों) की विरचना की गई | ① न्यायालय - श्री मान् बी० की० राय<br>② न्यायालय - श्री मान् बी०बी० राय<br>③ न्यायालय - श्रीमान् बी०बी० राय<br>④ आरोप गठन नहीं हुआ। |
| (ङ) | तारीख (तारीखें) जिनको आरोप विरचित किए गए थे | ① आरोप दिनांक - 10/4/12 को विरचित किया गया<br>② आरोप दिनांक - 26/4/11 को विरचित किया गया<br>③ आरोप दिनांक - 26/4/11 को विरचित किया गया |
| (च) | क्या सभी या कोई कार्यवाही किसी सक्षम अधिकारिता वाले न्यायालय द्वारा रोकी गई है/हैं | नहीं |

NOTARY
BEGUSARAI (BIHAR)
5-4-17

(ii) निम्नलिखित मामला (मामले) मेरे विरूद्ध लंबित है/हैं जिनमें न्यायालय द्वारा संज्ञान लिया गया है {पूर्वोक्त मद (i) में वर्णित मामलों से भिन्न}:--

| | | |
|---|---|---|
| (क) | न्यायालय का नाम, मामला संख्या और संज्ञान लेने के आदेश की तारीख | शून्य |
| (ख) | उन मामलों के ब्यौरे जहां न्यायालय ने संज्ञान लिया है, अधिनियम (अधिनियमों) की धारा (धाराएं) और अपराध (अपराधों) का संक्षिप्त विवरण जिसके (जिनके) लिए संज्ञान लिया गया है। | शून्य |
| (ग) | पूर्वोक्त आदेश (आदेशों) के विरूद्ध पुनरीक्षण के लिए फाइल की गई अपील (अपीलों)/आवेदन (आवेदनों) (यदि कोई हो) के ब्यौरे | शून्य |

(4) मुझे किसी अपराध (अपराधों) (लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 (1951 का 43) की धारा 8 की उपधारा (1) या उपधारा (2) में निर्दिष्ट या उपधारा (3) के अंतर्गत आने वाले किसी अपराध (अपराधों) से भिन्न, के लिए सिद्धदोष ~~ठहराया गया है~~/नहीं ठहराया गया है और एक वर्ष या अधिक के लिए कारावास का दंडादेश ~~दिया गया है~~/ नहीं दिया गया है।

यदि अभ्यर्थी उपर्युक्त रूप में सिद्धदोष ठहराया गया और दंडादिष्ट किया गया है तो वह निम्नलिखित जानकारी प्रस्तुत करेगा :

निम्नलिखित मामलों में मुझे सिद्धदोष ठहराया गया है और न्यायालय द्वारा कारावास का दंडादेश दिया गया है :

| | | |
|---|---|---|
| (क) | उन मामलों के ब्यौरे, अधिनियम (अधिनियमों) की धारा (धाराएं) और अपराध (अपराधों) का संक्षिप्त विवरण जिसके (जिनके) लिए सिद्धदोष ठहराया गया है | शून्य |
| (ख) | न्यायालय (न्यायालयों) का नाम, मामला संख्या और आदेश (आदेशों) की तारीख (तारीखें) | शून्य |
| (ग) | अधिरोपित दंड | शून्य |
| (घ) | क्या सिद्धदोष ठहराने के आदेश के विरूद्ध कोई अपील फाइल की गई थी/ है। यदि हाँ, तो अपील के ब्यौरे और वर्तमान प्रास्थिति | शून्य |

NOTARY
DECLARAI (...)
5-4-14

(7) मैं मेरे, मेरे पति या पत्नी और सभी आश्रितों की आस्तियों (जंगम और स्थावर आदि) के ब्यौरे नीचे देता हूँ :

**अ. जंगम आस्तियों के ब्यौरे :**

टिप्पण 1 –संयुक्त स्वामित्व की सीमा को उपदर्शित करते हुए संयुक्त नाम में आस्तियों का भी विवरण दिया जाना है।

टिप्पण 2– जमा/विनिधान की दशा में क्रम सं०, रकम, जमा की तारीख, स्कीम, बैंक/संस्था का नाम और शाखा सहित ब्यौरे दिए जाने हैं।

टिप्पण 3– सूचीबद्ध कंपनियों के संबंध में बंधपत्रों/शेयर डिबेंचरों का मूल्य स्टॉक एक्सचेंजों में चालू बाजार मूल्य के अनुसार और गैर सूचीबद्ध कंपनियों की दशा में लेखाबहियों के अनुसार दिया जाना चाहिए।

टिप्पण 4– यहां आश्रित का वही अर्थ है जो उसका लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 75 क के अधीन स्पष्टीकरण (5) में है।

टिप्पण 5 – रकम सहित ब्यौरे प्रत्येक विनिधान के संबंध में पृथकतया दिए जाने हैं।

| क्रम.सं. | विवरण | स्वय | पति या पत्नी | आश्रित –1 | आश्रित –2 | आश्रित –3 |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | हाथ में नकदी | | | | | |
| (ii) | बैंक खातों में जमा के ब्यौरे (नियत जमा, आवधिक जमा और अन्य सभी प्रकार के जमा जिसमें बचत खाते भी है), वित्तीय संस्थाओं, गैर बैंककारी वित्तीय कम्पनियों और सहकारी सोसाइटियों के पास जमा और ऐसे प्रत्येक जमा में रकम | भारतीय स्टेट बैंक दुलारपुर शाखा, बचत खाता सं०-1167-1290947 जमा राशि -23032 तेइस हजार बत्तीस | भारतीय स्टेट बैंक, दुलारपुर शाखा, खाता सं०-01190005341 जमा राशि -40915 चालिस हजार नौ सौ पन्द्रह रुपये | पुत्र-पुत्रवधु भारतीय स्टेट बैंक दुलारपुर शाखा, बचत खाता सं०-116712-36077 जमा राशि -6339/- [illegible] | शून्य | शून्य |
| (iii) | कंपनियों/पारस्परिक निधियों और अन्य में बंधपत्रों, डिबेंचरों/शेयरों तथा यूनिटों में विनिधान के ब्यौरे और रकम | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| (iv) | राष्ट्रीय बचत योजना, डाक बचत, बीमा पालिसियों में विनिधान के ब्यौरे और डाकघर या बीमा कंपनी में किन्ही वित्तीय लिखितों में विनिधान और रकम | डाक विभाग लेखा M.I.S प्लान जमा राशि 1,05000/- एक लाख पांच | डाक विभाग लेखा, M.I.S प्लान जमा राशि- 300000/- तीन लाख | पुत्र - रामदीप बीमा कम्पनी एस० बी० आई० लाइफ पालिसी नं०- 51003240207 राशि -341721 | पुत्रवधु-पूजा कुमारी बीमा कम्पनी एस०बी०आई० लाइफ पालिसी नं०- 51003328705 राशि - 325455 | शून्य |
| (v) | किसी व्यक्ति या निकाय जिसमें फर्म, कंपनी, न्यास आदि को दिए गए वैयक्तिक ऋण/अग्रिम और ऋणियों से अन्य प्राप्य तथा रकम | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |

B. K. VERMA
Notif. No-7187/12
GOVT. OF BIHAR (INDIA)
NOTARY 15-4-14
BEGUSARAI (BIHAR)

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| (vi) | मोटरयान / वायुयान / याट / पोत (मेक, रजिस्ट्रीकरण संख्या आदि क्रय करने का वर्ष और रकम) | कोलेटो ZLX नं०-BR09J 9839 वर्ष-2011 मूल्य-7000 | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| (vii) | जेवरात, बुलियन और मूल्यवान वस्तु (वस्तुएं) (भार और मूल्य के ब्यौरे) | 1/4 भर सोने की अंगूठी मूल्य-7500 | 2 भर सोने का जेवर मूल्य-60,000/- | शून्य | पुत्रवधु 6 भर सोने का जेवर मूल्य-1,80,000 | शून्य |
| (viii) | कोई अन्य आस्तियां जैसे कि दावों / हित का मूल्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| (ix) | समग्र कुल मूल्य | 8,35532 | 4,00915 | 3,41,721 | 4,21,789 | शून्य |

## आ. स्थावर आस्तियों के ब्यौरे

टिप्पण 1 – संयुक्त स्वामित्व की सीमा को उपदर्शित करते हुए संयुक्त नाम में आस्तियों का भी विवरण दिया जाना है।
टिप्पण 2 – प्रत्येक भूमि या भवन या अपार्टमेंट का इस प्रारुप मे पृथकतया वर्णन किया जाना चाहिए।

| क्रम सं. | विवरण | स्वयं | पति या पत्नी | आश्रित –1 | आश्रित –2 | आश्रित –3 |
|---|---|---|---|---|---|---|
| (i) | कृषि भूमि की अवस्थिति (अवस्थितियां) सर्वेक्षण संख्यांक (संख्याएँ) | 20 एकड़. | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | क्षेत्र (एकड़ में कुल माप) | 20 एकड़ | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | क्या विरासत में आई संपत्ति है (हां या नहीं ) | हाँ | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | स्वार्जित संपत्ति की दशा में क्रय की तारीख | शून्य | 5 बीघा जमीन | शून्य | शून्य | शून्य |
| | क्रय के समय भूमि की लागत (क्रय की दशा में ) | शून्य | 2 लाख50 | शून्य | शून्य | शून्य |
| | विकास, संनिर्माण आदि के माध्यम से भूमि पर कोई विनिधान | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | अनुमानित चालू बाजार मूल्य | 50 लाख | 5 लाख | शून्य | शून्य | शून्य |
| (ii) | गैर कृषि भूमि : अवस्थिति (अवस्थितियां) सर्वेक्षण संख्यांक (संख्याएँ) | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | क्षेत्र (वर्ग फुट में कुल माप) | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | क्या विरासत में आई संपत्ति है (हां या नहीं) | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | स्वार्जित संपत्ति की दशा में क्रय की तारीख | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |

NOTARY (BIHAR)

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | क्रय के समय भूमि की लागत (क्रय की दशा में) | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | विकास, सनिर्माण आदि के माध्यम से भूमि पर कोई विनिधान | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | अनुमानित चालू बाजार मूल्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| (iii) | वणिज्यिक भवन (अपार्टमेंट सहित) अवस्थिति (अवस्थितियां) सर्वेक्षण संख्याक (संख्याएँ) | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | क्षेत्र (वर्ग फुट में कुल माप) | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | निर्मित क्षेत्र (वर्ग फुट में कुल माप) | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | क्या विरासत में आई संपत्ति है (हां या नहीं) | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | स्वअर्जित संपत्ति की दशा में क्रय की तारीख | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | क्रय के समय भूमि की लागत (क्रय की दशा में) | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | विकास, सनिर्माण आदि के माध्यम से संपत्ति पर कोइ विनिधान | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | अनुमानित चालू बाजार मूल्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| (iv) | आवासीय भवन (अपार्टमेंट सहित) अवस्थिति (अवस्थितियां) सर्वेक्षण संख्याक (संख्याएँ) | आवासीय मकान | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | क्षेत्र (वर्ग फुट में कुल माप) | 1760 वर्गफुट | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | निर्मित क्षेत्र (वर्ग फुट में कुल माप) | 1760 वर्गफुट | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | क्या विरासत में आई संपत्ति है (हां या नहीं) | हाँ | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | स्वअर्जित संपत्ति की दशा में क्रय की तारीख | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | क्रय के समय भूमि की लागत (क्रय की दशा में) | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | विकास, संनिर्माण आदि के माध्यम से भूमि पर कोई विनिधान | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | अनुमानित चालू बाजार मूल्य | 8 लाख | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |

S. K. VERMA
GOVT. OF BIHAR

NOTARY
ARAI (BIHAR)

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| (v) | अन्य (जैसे कि संपत्ति में हित) | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| (vi) | पूर्वोक्त (i) से (v) का कुल चालू बाजार मूल्य | 58,00000 अनठावन लाख | 5,00000/- पाँच लाख | शून्य | शून्य | शून्य |

(8) मैं, लोक वित्तीय संस्थाओं और सरकार के प्रति दायित्वों / को शोध्यों के ब्यौरे नीचे देता हूँ :–

(टिप्पणी :– कृपया बैंक, संस्था, निकाय या व्यष्टिक के नाम और उनमें प्रत्येक के समक्ष रकम के ब्यौरों का पृथक विवरण दें)

| क्रम.सं. | विवरण | स्वयं | पति या पत्नी | आश्रित –1 | आश्रित –2 | आश्रित –3 |
|---|---|---|---|---|---|---|
| (i) | बैंक / वित्तीय संस्था (संस्थाओं) को ऋण या शोध्य बैंक या वित्तीय संस्था का नाम, बकाया, रकम, ऋण की प्रकृति | भारतीय स्टेट बैंक दुलारपुर शाखा ऋण राशी 27000/- | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | पूर्वोक्त वर्णित से भिन्न किसी अन्य व्यष्टिकों, निकाय को ऋण या शोध्य नाम, बकाया, रकम, ऋण की प्रकृति | यूको बैंक [illegible] शाखा से वाहन हेतु ऋण 1,67,245 | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | कोई अन्य दायित्व | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | दायित्वों का कुल योग | 1,94,245 | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| (ii) | सरकारी शोध्य : सरकारी आवास से बरतने वाले विभागों को शोध्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | जल आपूर्ति से बरतने वाले विभाग को शोध्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | विद्युत आपूर्ति से बरतने वाले विभाग को शोध्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | टेलीफोन / मोबाइल आपूर्ति से बरतने वाले विभाग को शोध्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | सरकारी परिवहन (वायुयान और हेलिकाप्टर सहित) से बरतने वाले विभाग को शोध्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | आय–कर शोध्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | धनकर शोध्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | सेवाकर शोध्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | नगरपालिका / संपत्ति कर शोध्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | विक्रयकर शोध्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | कोई अन्य शोध्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |

B. K. VERMA (Bihar) Notl No-[illegible]

NOTARY

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| (iii) | सभी सरकारी शोध्यों का कुल योग | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | |
| (iv) | क्या कोई अन्य दायित्व विवादाधीन है, यदि हां तो अंतर्वलित रकम और उस प्राधिकारी जिसके समक्ष यह लंबित है का वर्णन करें। | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | |

(9) वृत्ति या उपजीविका के ब्यौरे :

(क) स्वयं ......खेती एवं पेंशन......

(ख) पति या पत्नी ......गृहणी......

(10) मेरी शैक्षिक अर्हता नीचे दिए अनुसार है :–

मैट्रिक - वर्ष - 1958 - बिहार विद्यालय परीक्षा समिति
इन्टरमिडिएट - वर्ष - 1962 - भागलपुर विश्वविद्यालय
स्नातक - वर्ष - 1965 - भागलपुर विश्वविद्यालय

(प्रमाणपत्र/डिप्लोमा/ डिग्री पाठयक्रम के पूर्ण प्ररूप का उल्लेख करते हुए उच्चतम विद्यालय/विश्वविद्यालय शिक्षा के ब्यौरे देते हुए विद्यालय/महाविद्यालय/विश्वविद्यालय का नाम और उस वर्ष जिसमें पाठयक्रम पूरा किया गया था, का ब्यौरा दे)

## भाग–ख

(11) भाग–क के (1) से (10) तक में दिए गऐ ब्यौरे का उद्धरण

| | | |
|---|---|---|
| 1. | अभ्यर्थी का नाम | श्री/श्रीमती/कु० - राजेन्द्र प्रसाद सिंह |
| 2. | डाक का पता | नया नगर, दुकारपुर, पो०-नयानगर, भाया-तेघड़ा, थाना-तेघड़ा, जिला-बेगूसरा |
| 3. | निर्वाचन क्षेत्र की संख्या और नाम तथा राज्य | निर्वाचन क्षेत्र सं० - 143, तेघड़ा विधानसभा (बिहार) |
| 4. | उस राजनैतिक दल का नाम जिसने अभ्यर्थी को खड़ा किया है (अन्यथा स्वतंत्र लिखें) | भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी |
| 5. | (i) ऐसे लंबित मामलों की कुल संख्या जिनमें दो वर्ष या अधिक के कारावास से दंडनीय अपराधों के लिए न्यायालय द्वारा आरोप विरचित किए गए हैं। | तीन मामले |
| | (ii) ऐसे मामलों की कुल संख्या जिनमें न्यायालय (न्यायालयों) ने संज्ञान लिया है (ऊपर मद (i) उल्लिखित मामलों से भिन्न) | दो मामले |

NOTARY B. R. VERMA Begusarai (Bihar) Notf. No. 7067/98 GOVT. OF BIHAR (INDIA)

NOTARY
BEGUSARAI (BIHAR)
5-4-14

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 6. | ऐसे कुल मामलों की संख्या जिनमें सिद्धदोष ठहराया गया एक वर्ष या उससे अधिक के लिए कारावास से और दंडित किया गया है। (लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 8 की उपधारा (1), उपधारा (2) या उपधारा (3) में निर्दिष्ट अपराधों के सिवाए) | शून्य | | |
| | | .........का स्थायी लेखा सं० | वह वर्ष जिसके लिए अंतिम आयकर विवरणी फाइल की गई है | कुल दर्शित आय |
| 7. | (क) अभ्यर्थी | शून्य | शून्य | शून्य |
| | (ख) पति या पत्नी | शून्य | शून्य | शून्य |
| | (ग) आश्रित | शून्य | शून्य | शून्य |

| 8. | आस्तियों और दायित्वों के ब्यौरे (रुपए में) | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | विवरण | स्वयं | पति या पत्नी | आश्रित–1 | आश्रित–2 | आश्रित–3 |
| क. | जंगम आस्तियां (कुल मूल्य) | | | | | | |
| ख. | स्थावर आस्तियां | | | | | | |
| | I | स्वअर्जित स्थावर संपत्ति की क्रय कीमत | शून्य | 5 बीघा जमीन क्रय मूल्य- 2 करोड़ रु० | शून्य | शून्य | शून्य |
| | II | क्रय के पश्चात् स्थावर संपत्ति की विकास/संनिर्माण लागत (यदि लागू हो ) | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | III | निम्नलिखित की अनुमानित वर्तमान बाजार कीमत | शून्य | 5 करोड़ रुपये | शून्य | शून्य | शून्य |
| | | (क) स्वअर्जित आस्तियाँ (कुल मूल्य) | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | | (ख) विरासती आस्तियां (कुल मूल्य) | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| 9. | | दायित्व | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | (i) | सरकारी शोध्य (कुल) | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |

B. K. VERMA
Notif. No-7187/13
GOVT. OF BIHAR
NOTARY

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | (ii) | बैंक, वित्तीय संस्थाओं और अन्य से ऋण (कुल) | बैंक ऋण राशी 1,94,245 | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| 10. | | ऐसे दायित्व जो विवादाधीन है | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | (i) | सरकारी शोध्य (कुल) | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | (ii) | बैंक, वित्तीय संस्थाओं और अन्य से ऋण (कुल) | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |

11. **उच्चतम शैक्षिक अर्हता :**

① मैट्रिक - वर्ष - 1958 - बिहार विद्यालय परीक्षा समिति
② इन्टरमिडियेट - 1962 - भागलपुर विश्वविद्यालय
③ स्नातक - 1965 - भागलपुर विश्वविद्यालय

(प्रमाण पत्र / डिप्लोमा / डिग्री के पूर्ण प्ररुप का उल्लेख करते हुए, उच्चतम विद्यालय / विश्वविद्यालय / शिक्षा, विद्यालय / महाविद्यालय / विश्वविद्यालय का नाम और वर्ष जिसमें पाठयक्रम पूरा किया गया था, का ब्यौरे दें।)

NOTARY
D. K. VERMA
Begusarai (Bihar)
Regd.No-7187/12
GOVT. OF BIHAR (INDIA)

## सत्यापन

मैं, ऊपर उल्लिखित अभिसाक्षी इसके द्वारा यह सत्यापन और घोषणा करता हूँ कि इस शपथपत्र की विषय–वस्तु मेरी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार सत्य और सही है, और इसका कोई भाग मिथ्या नहीं है तथा इसमें से कोई भी तात्विक तथ्य नहीं छिपाया गया है। मैं यह और घोषणा करता हूँ कि :–

(क) मेरे विरूद्ध ऊपर भाग क और ख की मद 5 और 6 में उल्लिखित दोषसिद्धि का मामला या लंबित मामले से भिन्न कोई दोषसिद्धि का मामला या लंबित मामला नहीं है :

(ख) मेरी पति या पत्नी या मेरे आश्रितों के पास ऊपर भाग क की मद 7 और 8 तथा भाग ख की मद 8, 9 और 10 में उल्लिखित आस्ति या दायित्व से भिन्न कोई आस्ति या दायित्व नहीं है।

आज तारीख 5/4/2014 को सत्यापित किया गया।

अभिसाक्षी

NOTARY
BEGUSARAI (BIHAR)
5-4-14
Authorised u/s 297 (I) (C) of Cr. P. C.
8 (1) (..) of the Notaries Act. and
u/s 139 (..) of C. P. C. 1908
Affidavit No. 2696 date [illegible]
05 APR 2014

Rombraket yeoo Aor
5.4.2014
and N. 196095

टिप्पण– 1. शपथपत्र नामांकन फाइल करने के अंतिम दिन को 3:00 बजे अपराह्न तक फाइल किया जाना चाहिए।

टिप्पण– 2. शपथपत्र पर किसी शपथ कमिश्नर या प्रथम वर्ग मजिस्ट्रेट के समक्ष या किसी नोटरी पब्लिक के समक्ष शपथ ली जानी चाहिए।

टिप्पण– 3. सभी स्तंभों को भरा जाना चाहिए और कोई स्तंभ खाली न छोड़े, यदि किसी मद के संबंध में उन के लिए कोई जानकारी नहीं है तो, यथास्थित "शून्य" या "लागू नहीं होता" उल्लिखित किया जाना चाहिए।

टिप्पण– 4. शपथपत्र टंकित या सुपाठ्यरूप से साफ–साफ लिखित होना चाहिए।

टिप्पण– 5. माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिनांक 13.09.2013 को WP(C) संख्या 121–2008 में रिसर्जेंस इंडिया बनाम भारत निर्वाचन आयोग एवं अन्य, के मामले में अभ्यर्थियों द्वारा अपूर्ण शपथ–पत्र दाखिल किये जाने के संबंध में दिए गये न्याय निर्णय के आलोक में अभ्यर्थी द्वारा शपथ पत्र के सभी स्तंभों को भरा जाना है। कोई भी स्तंभ खाली नहीं छोड़ा जा सकता है। शपथ पत्र प्रस्तुत किये जाते समय निर्वाची पदाधिकारी द्वारा यह जाँच कर लिया जाना है कि नाम निर्देशन पत्र के साथ दाखिल किये गये शपथ पत्र के सभी स्तंभ भर लिए गये है, अगर ऐसा नहीं किया गया है तो निर्वाची पदाधिकारी, अभ्यर्थी को खाली स्तंभों के संबंध में जानकारी उपलब्ध कराने हेतु स्मार देंगे। माननीय न्यायालय का न्याय निर्णय है कि अगर किसी मद में उपलब्ध कराये जाने हेतु कोई जानकारी नहीं है तो 'शून्य' या 'लागू नहीं' या 'ज्ञात नहीं' जो उपयुक्त हो, ऐसे स्तंभ में दर्ज किये जायेंगे। उनके द्वारा कोई भी स्तंभ खाली नहीं छोड़ा जाना है। यदि अभ्यर्थी स्मार दिये जाने के बाद भी स्तंभ को भरे जाने में असफल होता है तो नाम निर्देशन पत्र की संवीक्षा के समय नाम निर्देशन पत्र निर्वाची पदाधिकारी द्वारा अस्वीकृत कर दिये जायेंगे।

टिप्पण– 6. शपथ पत्र के पारा 3 में जानकारी निम्नलिखित रुप में उपलब्ध करायी जायेगी।

"मेरा दूरभाष सम्पर्क संख्या/~~संख्यायें~~ है/है........ 9431211717

मेरा ई–मेल आई० डी० (अगर कोई हो) है........ शून्य

एवं मेरा सोशल मीडिया एकांउट्स (अगर कोई हो) है........ शून्य

टिप्पण– 7. शपथ पत्र के पारा 8 में वित्तीय संस्थानो के प्रति दायित्वों में विदेशी बैंकों/संस्थाओं में जमा/निवेश सहित सूचना दें।